Hd – अमीर मूर्ख का दृष्टान्त लूका १२:१३-३४ | 1

– Save This Page as a PDF–

अमीर मूर्ख का दृष्टान्त

लूका १२:१३-३४

खुदाई: उस व्यक्ति की याचिका के जवाब में, यीशु ने एक दृष्टांत सुनाया। आदमी की समस्या क्या है? उसका समाधान? वह मूर्ख क्यों है? मसीहा की प्रतिक्रिया इतनी कठोर क्यों थी? क्या समस्या धन थी? प्रभु ने परमेश्वर पर भरोसा करने के बारे में प्रकृति से दो उदाहरण दिए: गौरैया और जंगली फूल। क्या आप किसी अन्य के बारे में विचार कर सकते हैं? अपने आवेदन में, गुरु राज्य की खोज के बारे में क्या सिखाता है?

चिंतन: आपको चिंता करने के बजाय यहोवा पर भरोसा क्यों करना चाहिए? बताएं कि चिंता कैसे विश्वास की कमी को दर्शाती है? व्यक्तिगत लाभ के बजाय, एडोनाई के राज्य की तलाश करने का पुरस्कार क्या है? सांसारिक धन स्वर्गीय धन से किस प्रकार भिन्न है? संतोष का रहस्य क्या है? चिंता के कुछ परिणामों की सूची बनाएं? चिंता से बचने के लिए विश्वासी कौन से सरल कदम उठा सकते हैं? पहले से योजना बनाने और चिंता करने में क्या अंतर है? यह परिच्छेद आपको अपनी आवश्यकताओं के संबंध में प्रभु पर भरोसा करने के लिए कैसे प्रेरित करता है? हाशेम के प्रावधान में हम किस ठोस तरीके से अपना भरोसा प्रदर्शित कर सकते हैं?

अमीर मूर्ख के दृष्टांत का एक मुख्य बिंदु यह है कि जीवन भौतिक संपत्ति की प्रचुरता में नहीं, बल्कि भगवान के साथ संबंध में निहित है।

इस दृष्टांत की पृष्ठभूमि लूका १२:१ से शुरू होती है, जब हजारों की भीड़ इकट्ठी हो गई थी, और वे एक दूसरे को रौंद रहे थे। यीशु ने सबसे पहले अपने प्रेरितों से बात करना शुरू किया (देखें Hc – अपने शिष्यों को चेतावनियाँ और प्रोत्साहन), लेकिन किसी समय भीड़ में से किसी ने नाज़रेथ के पैगंबर से कहा, “रब्बी, मेरे भाई से कहो कि वह मेरे साथ विरासत बांट दे।” परंपरागत रूप से एक रब्बी पादरी नहीं बल्कि यहूदी मूल्यों और रीति-रिवाजों का शिक्षक होता था; और इस प्रकार, आधिकारिक न्यायाधीश या मध्यस्थ जो लोगों के जीवन के लिए टोरा और नैतिकता के बिंदुओं का निर्णय लेते हैं। केवल अठारहवीं और उन्नीसवीं सदी के धर्मनिरपेक्ष रूप से प्रेरित हास्काला, जिसका अर्थ ज्ञानोदय है, के बाद से पश्चिम में रब्बियों को कैथोलिक पुजारियों और प्रोटेस्टेंट मंत्रियों के साथ कथित धर्मनिरपेक्ष “वास्तविक दुनिया” में परिधीय व्यक्तियों के रूप में देखा जाता है। प्रभु ने उत्तर दिया: हे मनुष्य, किसने मुझे तुम्हारे बीच न्यायाधीश या मध्यस्थ नियुक्त

Hd – अमीर मूर्ख का दृष्टान्त लूका १२:१३-३४ | 2

किया (लूका १२:१३-१४)? निर्गमन २:१४ की ओर संकेत करते हुए, जहां मोशे ने खुद को अपने साथी इस्राएलियों पर शासक और न्यायाधीश नियुक्त किया, येशुआ ने मध्यस्थ की भूमिका को खारिज कर दिया। यीशु ऐसे पारिवारिक विवादों को सुलझाने के लिए नहीं आए थे। इसके विपरीत, उनके आने से कई बार परिवार बंट जाएंगे (देखें Hf – शांति नहीं, बल्कि विभाजन)। इस व्यक्ति को किसी धार्मिक शिक्षक के कानूनी फैसले की नहीं, बल्कि इस बात की बुनियादी समझ की जरूरत थी कि संपत्ति का जीवन के उद्देश्य से क्या संबंध है। कौन है? . . किसी के पास जो कुछ है उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

पूर्ववर्ती बुद्धि कथन। जाहिर है, मसीहा ने प्रश्नकर्ता के रवैये को सामान्य माना, इसलिए उन्होंने पूरी भीड़ को अपनी टिप्पणी संबोधित की: सावधान! हर प्रकार के लालच से सावधान रहें; जीवन संपत्ति की प्रचुरता में समाहित नहीं है (लूका १२:१५)। क्या आप जेल में हैं? यदि आपके पास अधिक है तो आप बेहतर महसूस करते हैं और जब आपके पास कम है तो आप बुरा महसूस करते हैं। यदि आनंद एक डिलीवरी दूर है, एक स्थानांतरण दूर है, एक पुरस्कार दूर है, या एक बदलाव दूर है तो आप हैं। यदि आपकी ख़ुशी किसी ऐसी चीज़ से आती है जिसे आप जमा करते हैं, गाड़ी चलाते हैं, पीते हैं या पचाते हैं, तो इसका सामना करें – आप जेल में हैं। . . चाहत की जेल।

यह बुरी खबर है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि आपके पास एक आगंतुक है। और आपके आगंतुक के पास एक संदेश है जो आपको पैरोल दिला सकता है। स्वागत कक्ष की ओर अपना रास्ता बनाएं। कुर्सी पर अपनी सीट ले लो, और मेज के पार भजनहार डेविड को देखो। वह आपको आगे की ओर झुकने के लिए कहता है। “मुझे तुम्हें एक रहस्य बताना है,” वह फुसफुसाते हुए कहता है, “यह रहस्य संतुष्टि है।” यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी (भजन २३:१)। यह ऐसा है मानो डेविड कह रहा हो, “मेरे पास एडोनाई में जो कुछ है वह उससे कहीं अधिक है जो मेरे पास जीवन में नहीं है।” क्या हम भी ऐसा ही कह सकते हैं?

पहला अनुच्छेद: ईश्वर देता है। जब येशु भीड़ को संबोधित करते हैं, तो वह अपने शिष्यों और उन लोगों को शिक्षा दे रहे होते हैं जो उस पर विश्वास करते हैं और जिनके पास सुनने के लिए आध्यात्मिक कान हैं। और उस ने उन से यह दृष्टान्त कहा, कि किसी धनवान की भूमि में बहुत उपज हुई। (लूका १२:१६) यीशु अपने श्रोताओं के साहित्य में पहले से ही प्रसिद्ध विषय पर काम कर रहा था (सभोपदेशक २:१-११; अय्यूब ३१:२४-२८)।

Hd – अमीर मूर्ख का दृष्टान्त लूका १२:१३-३४ | 3



दूसरा अनुच्छेद: समस्या। उसने मन ही मन सोचा,
“मैं क्या करूँ? मेरे पास अपनी फसल रखने के लिए कोई जगह नहीं है” (लूका १२:१७)। पारंपरिक निकट-पूर्वी विचार की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक उसका मिलनसार स्वभाव है। जीवन मजबूती से जुड़े समुदायों में जीया जाता है। गाँव के प्रमुख लोग द्वार पर बैठते हैं और एक-दूसरे से बातचीत करते हुए वर्षों बिता देते हैं। मामूली सा लेन-देन घंटों चर्चा के योग्य है। समुदाय का बुजुर्ग समुदाय में अपना मन बनाता है। वह अपना चिंतन भीड़ में करता है। पाठ नहीं पढ़ता: उसने स्वयं से कहा। नहीं, अमीर आदमी खुद से संवाद करता है। जाहिर तौर पर उसके पास बात करने के लिए कोई और नहीं है। वह किसी पर भरोसा नहीं करता और उसका कोई मित्र या विश्वासपात्र नहीं है जिसके साथ वह विचारों का आदान-प्रदान कर सके। जब उसे बात करने के लिए किसी की जरूरत होती है तो वह सिर्फ खुद से ही बात कर पाता है। इसलिए, हमें यीशु की उस तरह की जेल की तस्वीर समझ में आने लगती है जिसे धन बना सकता है। उसके पास वैक्यूम खरीदने और उसमें रहने के लिए पैसे हैं। इस शून्य में जीवन अपनी वास्तविकताओं का निर्माण करता है, और इस विकृत परिप्रेक्ष्य से हम उसे अपने समाधान की घोषणा करते हुए सुनते हैं।

तीसरा अनुच्छेद: वर्तमान योजना। तीसरे अनुच्छेद का चरमोत्कर्ष ही दृष्टांत के आरंभ और अंत से संबंधित है। यह निर्णायक मोड़ है, क्योंकि अमीर आदमी तय करता है कि वह अपनी समस्या को हल करने के लिए क्या करेगा। फिर उन्होंने कहा, “मैं यही करूँगा। मैं अपने खलिहानों को ढाकर बड़े खलिहान बनाऊंगा, और अपना बचा हुआ अन्न वहीं रखूंगा” (लूका १२:१८)। गिराने और निर्माण करने की भाषा शास्त्रीय भविष्यसूचक भाषा है जो भविष्यवक्ता की सेवकाई के आह्वान को संदर्भित करती है (यिर्मयाह १:१०)। यह यहोवा के नाम पर साहसी कृत्यों की बात करता है जिनकी पूर्ति के लिए कष्ट सहना पड़ता है। यहाँ इस महान भाषा को इस आत्म-भोगी अमीर आदमी द्वारा दुखद रूप से सस्ता कर दिया गया है जिसने यह निर्धारित किया है कि वह अकेले ही परमेश्वर के उपहारों का उपभोग करेगा। अतिरिक्त धन के ये उपहार “मेरा अनाज और मेरा माल” बन गए हैं। लोभ (मेरी टिप्पणी देखें निर्गमन Dt – आप अपने पड़ोसी की किसी भी चीज़ का लालच नहीं करेंगे) जीवन के एक झूठे दर्शन से उत्पन्न होता है जो कहता है कि जीवन में सबसे बड़ा अच्छाई भौतिक संपत्ति हासिल करना है। ऐसा दर्शन फरीसियों की विशेषता है, जो भौतिक समृद्धि को दैवीय आशीर्वाद के संकेत के रूप में व्याख्या करते थे। उन्होंने अपना दर्शन इस कहावत में व्यक्त किया, “ईश्वर

Hd – अमीर मूर्ख का दृष्टान्त लूका १२:१३-३४ | 4

जिसे प्रेम करता है उसे वह धनवान बनाता है।” यह खलिहानों में था कि दशमांश और प्रसाद अलग रखे गए थे। याजक और लेवी उन्हें इकट्ठा करने के लिये खलिहानों में आये। लेकिन हमारे अमीर आदमी के दिमाग में अन्य बातें भी हैं, जैसा कि हम उसके समापन भाषण से देखते हैं।

चौथा अनुच्छेद: भविष्य की योजना। और मैं अपने आप से कहूंगा, “तुम्हारे पास कई वर्षों के लिए प्रचुर मात्रा में अनाज रखा हुआ है। जीवन को सहजता से लें; खाओ, पीओ और आनंद मनाओ” (लूका १२:१९)। यह भाषण आवश्यक रूप से दुखद नहीं है, यह काफी दयनीय है। यह धनी, आत्मविश्वासी आदमी आ गया है। उन्होंने इसे बनाया है। वह सब जिसकी उसने अभिलाषा की थी वह अब साकार हो गई है। उन्हें अपने आगमन भाषण के लिए श्रोताओं की आवश्यकता है। लेकिन कौन उपलब्ध है? परिवार? दोस्त? नौकर और उनके परिवार? गाँव के बुजुर्ग? साथी ज़मींदार? कौन करेगा, “मेरे साथ आनन्द मनाओ?” उड़ाऊ पुत्र के दृष्टांत में पिता के पास खुशी के जश्न में शामिल होने के लिए किसी भी क्षण एक समुदाय तैयार है (लूका १५:२२-२४)। चरवाहा और महिला अपने दोस्तों और पड़ोसियों को भेड़ और सिक्के पाए जाने पर खुशी मनाने के लिए बुलाते हैं (लूका १५:६ और ९)। मिलनसार नियर ईस्टर्नर के आसपास हमेशा एक समुदाय रहता है। लेकिन यह आदमी? वह केवल अपने आप से ही बात कर सकता है। दृष्टान्त अनुच्छेद चार और पाँच के बीच एक समय व्यतीत होने का अनुमान लगाता है।

पाँचवाँ अनुच्छेद: ईश्वर दूर ले जाता है। यहोवा की आवाज़ उस पर गरजती है (संभवतः) जब उसने अपना अधिकतम सुरक्षा भंडारण खलिहान तैयार कर लिया हो। इस प्रकार, उसके आगमन के बाद, उसका सामना उस दुनिया की कठोर वास्तविकता से होता है जिसे उसने अपनी संपत्ति से बनाया है। परन्तु परमेश्वर ने उस से कहा, हे मूर्ख! इसी रात तुझ से तेरी जान मांगी जायेगी। हालाँकि, शब्दों की चुभन इस घोषणा में नहीं है कि उसे मरना होगा, बल्कि निम्नलिखित प्रश्न में है, जो स्पष्ट रूप से उसके जीवन की वास्तविक गरीबी को दर्शाता है। वह अपनी विशाल संपत्ति के बीच अकेला और मित्रहीन है। फिर जो कुछ तू ने अपने लिये तैयार किया है उसे कौन पाएगा” (लूका १२:२०)? पाठक यह पहले से ही जानता है। अब हम देखते हैं कि अमीर आदमी के स्व-निर्मित अलगाव को भेदने और खुद की डरावनी दृष्टि से उसका सामना करने के लिए स्वयं यहोवा की आवाज़ की आवश्यकता होती है। इसमें कोई आरोप लगाने वाला प्रश्न नहीं है, जैसे, “आपने दूसरों के लिए क्या किया है?” इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसने ऐसे हमले के लिए अभेद्य कवच विकसित किया है। बल्कि, परमेश्वर गरजते हैं, “देखो तुमने अपने साथ क्या किया है!” आप अकेले ही योजना बनाते हैं, अकेले ही निर्माण करते हैं, अकेले ही व्यस्त रहते हैं, और अब आपको अकेले ही मरना होगा!

निम्नलिखित बुद्धि कथन। जो कोई अपने लिये तो वस्तुएँ संचय करता है, परन्तु परमेश्वर की दृष्टि में धनी नहीं है, उसके साथ ऐसा ही होगा (लूका १२:२१)। ईश्वर के प्रति समृद्ध वाक्यांश स्वर्ग में खजाने का पर्याय है (मेरी टिप्पणी देखें प्रकाशितबाक्य Cc – हम सभी को स्वर्ग में बीमा सीट से पहले प्रकट होना चाहिए)।

Hd – अमीर मूर्ख का दृष्टान्त लूका १२:१३-३४ | 5

डेविड ने कहा: मूर्ख अपने दिल में कहता है, “परमेश्वर नहीं है” (भजन १४:१), तो, वास्तव में, यह अमीर आदमी यही कह रहा था। उसने परमेश्वर को चित्र से बाहर कर दिया था।

आवेदन: मसीह ने छह कारण बताए कि क्यों उन्हें भौतिक संपत्ति के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए। सबसे पहले, बारह की ओर मुड़कर, उसने अब दृष्टान्तों में बात नहीं की और कहा: इसलिए मैं तुमसे कहता हूं, अपने जीवन के बारे में चिंता मत करो, तुम क्या खाओगे; या अपने शरीर के बारे में, आप क्या पहनेंगे। क्योंकि प्राण भोजन से, और शरीर वस्त्र से बढ़कर है (लूका १२:२२-२३)। कभी-कभी हम जीवन को ज़रूरत से ज़्यादा कठिन बना देते हैं। हम इधर-उधर भागते हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए ओवरटाइम काम करते हैं कि हमारे पास वे सभी चीजें हैं जिनकी हमें जरूरत है और हम चाहते हैं। उपभोक्ता-उन्मुख समाज में, एडोनाई पर भरोसा करने के बारे में येशुआ के शब्दों को आसानी से नजरअंदाज किया जा सकता है। लेकिन यीशु ने कहा कि वह हमारी जरूरतों को पूरा करेगा। बाइबिल में ईसा मसीह के सभी शब्दों में से किसी भी अन्य विषय की तुलना में पैसे के बारे में कहने के लिए उनके पास अधिक था। यह खंड उनके रवैये का एक अच्छा सारांश प्रस्तुत करता है। वह संपत्ति की निंदा नहीं करता है, लेकिन वह भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पैसे पर विश्वास करने के खिलाफ चेतावनी देता है। पैसा जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं को हल करने में विफल रहता है।

दूसरा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परमेश्वर के सभी प्राणी उनकी देखरेख में हैं: कौवों पर विचार करें। मनुष्यों के विपरीत, वे न तो बोते हैं और न ही काटते हैं, उनके पास कोई भंडारगृह या खलिहान नहीं है; तौभी परमेश्वर उन्हें खिलाता है। और तुम पक्षियों से भी अधिक मूल्यवान हो (लूका 12:24)! वह उनकी परवाह करता है। गौरैया (मती १०:२९-३१) के विपरीत, कौवे नहीं बेचे जाते थे क्योंकि वे मैला ढोने वाले होते हैं। इसके अन्य संस्करण भी हैं (अपना पसंदीदा जानवर, मछली या पक्षी जोड़ें)। जैसे, बनियों पर विचार करो, वे न बोते हैं, न काटते हैं, उनके पास खलिहान का भंडार नहीं होता; तौभी परमेश्वर उन्हें खिलाता है। और तुम खरगोशों से कितने अधिक मूल्यवान हो (लूका १२:२४ व्याख्या)!

तीसरा, प्रभु ने उन्हें याद दिलाया कि चिंतित देखभाल स्थिति को नहीं बदल सकती। तुममें से कौन चिन्ता करके अपने जीवन में एक घंटा भी जोड़ सकता है? निःसंदेह, अनुमानित उत्तर है, कोई नहीं। इसलिए चिंता करना हास्यास्पद है। चूँकि तुम यह बहुत छोटा सा काम नहीं कर सकते, तो बाकी के बारे में चिंता क्यों करते हो (लूका १२:२५-२६)? जबकि निम्नलिखित कारण सिखाते हैं कि आस्तिक को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, पहले तीन कारण सिखाते हैं कि चिंता करना व्यर्थ है।

चौथा, ईसा मसीह ने सिखाया कि लोगों के पास ईश्वर जितना अद्भुत प्रदान करने की शक्ति नहीं है। यीशु फिर से यह बताने के लिए प्राकृतिक क्षेत्र में गए कि ईश्वर उनकी देखभाल करता है। विचार करें कि जंगली फूल कैसे उगते हैं। हालाँकि ग्रीक में

Hd – अमीर मूर्ख का दृष्टान्त लूका १२:१३-३४ | 6

नामित सटीक फूल अस्पष्ट है, लेकिन अर्थ नहीं है। वो मेहनत नहीं करते या घूमते नहीं। फिर भी मैं तुमसे कहता हूं, यहां तक कि सुलैमान भी अपने पूरे वैभव में इनमें से किसी एक के समान तैयार नहीं हुआ था (लूका १२:२७; प्रथम राजा १०:४-७; दूसरा इतिहास ९:३-६)।

पाँचवाँ, यदि एडोनाई मैदान में घास की देखभाल करता है, जिसका अस्तित्व इतना अस्थायी है, तो क्या वह अपनी देखभाल नहीं करेगा? यदि परमेश्वर मैदान की घास को, जो आज यहां है, और कल आग में झोंक दी जाएगी (बेहतर अनुवादित ओवन में), इस प्रकार से वस्त्र पहिनाता है, तो हे अल्पविश्वासियों, वह तुम्हें कितना अधिक पहिनाएगा (लूका १२:२८)! इज़राइल में लकड़ी अपेक्षाकृत डरावनी थी, और घास का उपयोग रोटी पकाने के लिए ईंधन के रूप में किया जाता था। इसके अलावा, तानाख में जीवन की क्षणभंगुर प्रकृति के प्रतीक के रूप में घास का अक्सर उपयोग किया जाता है।

छठा, उसने उन्हें याद दिलाया कि उनके पास एक पिता है जो जानता है कि उन्हें क्या चाहिए और वह क्या प्रदान करेगा। और अपना मन इस पर न लगाना, कि तुम क्या खाओगे, और न पीओगे; इसकी चिंता मत करें। क्योंकि बुतपरस्त संसार ऐसी सब वस्तुओं के पीछे भागता है, और तुम्हारा पिता जानता है कि तुम्हें उन की आवश्यकता है (लूका १२:२९-३०)। शाब्दिक रूप से, इसका अर्थ अविश्वासी अन्यजाति राष्ट्र हैं, जो परमेश्वर को नहीं जानते (प्रथम थिस्सलुनीकियों ४:५)।

चिंता के विकल्प के रूप में, प्रभु ने उन्हें विश्वास के लिए प्रेरित किया। परन्तु उसके राज्य की खोज करो, और ये वस्तुएं तुम्हें भी दी जाएंगी (लूका १२:३१)। कभी-कभी एडोनाई जो कुछ देखते हैं उससे इतना प्रभावित हो जाते हैं कि वह हमें वह देते हैं जिसकी हमें आवश्यकता होती है, न कि केवल वह जो हम माँगते हैं। यह हमारे लिए एक अच्छा सौदा है क्योंकि किसने कभी मसीहा से यह माँगने के बारे में सोचा होगा कि वह क्या देता है? हममें से किसने यह कहने का साहस किया होगा, “परमेश्वर, क्या आप मेरे द्वारा किए गए हर पाप के बदले में खुद को यातना के उपकरण पर लटका देंगे?” और फिर यह कहने का साहस रखें, “और जब आपने मुझे माफ कर दिया है, तो क्या आप मेरे लिए अपने घर में हमेशा के लिए रहने की जगह तैयार कर सकते हैं?” फिर, यदि वह पर्याप्त नहीं था, “और क्या आप कृपया मेरे भीतर रहेंगे और मेरी रक्षा करेंगे और मेरा मार्गदर्शन करेंगे और मुझे उससे अधिक का आशीर्वाद देंगे जिसके मैं कभी हकदार हो सकता हूँ?” सच में, क्या हममें कभी इतना साहस होगा कि हम यह मांग सकें? येशुआ पहले से ही अनुग्रह की कीमत जानता है। वह क्षमा की कीमत पहले से ही जानता है। लेकिन फिर भी वह इसकी पेशकश करता है। प्रेम ने उसके हृदय को विदीर्ण कर दिया।

हे छोटे झुण्ड, मत डरो, क्योंकि तुम्हारे पिता ने तुम्हें राज्य देकर प्रसन्न किया है। यह तज़दकाह करने के माध्यम से पूरा किया जाता है, वस्तुतः धार्मिकता करना, लेकिन इसे दान देने के रूप में समझा जाता है। अर्थात् स्वार्थी न होकर अपना

Hd – अमीर मूर्ख का दृष्टान्त लूका १२:१३-३४ | 7

धन बाँटना। अपनी संपत्ति बेचकर गरीबों को देना। अपने लिए ऐसे पर्स उपलब्ध कराएं जो खराब न हों। पर्स उनमें मौजूद सामग्री का एक रूपक है। दूसरे शब्दों में, किसी को स्वर्ग में खजाना जमा करने के लिए अपने सांसारिक धन का उपयोग करने का प्रयास भी नहीं करना चाहिए। परन्तु अपने धन के प्रति उदार होकर, तुम स्वर्ग में एक ऐसा खज़ाना इकट्ठा करोगे जो कभी नष्ट नहीं होगा, जहाँ कोई चोर पास नहीं आता और कोई कीड़ा उसे नष्ट नहीं करता। यीशु धन रखने के ख़िलाफ़ नहीं हैं बल्कि धन को अपने जीवन का केंद्र बनाने के ख़िलाफ़ हैं। मसीह ने उन्हें ऐसी गुलामी के बंधन की याद दिलाई और उनसे यहोवा में अपना विश्वास रखने के लिए कहा ताकि वे उसके गुलाम बन सकें। येशुआ ने आगे कहा: जहां आपका खजाना है, वहां आपका दिल भी होगा (लूका १२:३२-३४)। कोई ईश्वर और धन की सेवा नहीं कर सकता (लूका १६:१३), लेकिन कोई धन के सही उपयोग से ईश्वर की सेवा कर सकता है।

एक दिन एक बहुत अमीर परिवार का पिता अपने बेटे को यह दिखाने के लिए देश की यात्रा पर ले गया कि गरीब लोग कैसे रहते हैं। एक बेहद गरीब परिवार माने जाने वाले परिवार ने कुछ दिन और रातें खेत में बिताईं। अपनी यात्रा से लौटने पर, पिता ने अपने बेटे से पूछा,

“यात्रा कैसे थी?”

“यह बहुत अच्छा था, पिताजी।”

“क्या तुमने देखा कि गरीब लोग कैसे रहते हैं,” पिता ने पूछा।

“ओह हाँ,” बेटे ने कहा।

“तो बताओ, तुमने यात्रा से क्या सीखा?” पिता से पूछा।

बेटे ने उत्तर दिया, “मैंने देखा कि हमारे पास एक कुत्ता है और उनके पास चार हैं।”

“हमारे पास एक तालाब है जो हमारे बगीचे के बीच तक पहुंचता है और उनके पास एक नाला है जिसका कोई अंत नहीं है।”

“हमने अपने बगीचे में लालटेन का आयात किया है और उनके पास पूरा क्षितिज है।”

“हमारे पास रहने के लिए ज़मीन का एक छोटा सा टुकड़ा है और उनके पास ऐसे खेत हैं जो हमारी नज़रों से परे हैं।”

“हमारे पास नौकर हैं जो हमारी सेवा करते हैं, लेकिन वे दूसरों की सेवा करते हैं।”

“हम अपना खाना खरीदते हैं, लेकिन वे अपना खाना उगाते हैं।”

Hd – अमीर मूर्ख का दृष्टान्त लूका १२:१३-३४ | 8

“हमारी सुरक्षा के लिए हमारी संपत्ति के चारों ओर दीवारें हैं, उनकी रक्षा के लिए उनके पास दोस्त हैं।”

लड़के के पिता अवाक रह गए।

फिर उसके बेटे ने कहा, “धन्यवाद पिताजी, मुझे यह दिखाने के लिए कि हम कितने गरीब हैं।”

बहुत बार, हम भूल जाते हैं कि हमारे पास क्या है और हम उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो हमारे पास नहीं है। जो एक व्यक्ति की बेकार वस्तु है वह दूसरे का मूल्यवान अधिकार है। यह सब किसी के दृष्टिकोण पर आधारित है। यह आपको आश्चर्यचकित करता है कि क्या होगा यदि हम और अधिक चाहने की चिंता करने के बजाय हमारे पास जो कुछ भी है उसके लिए धन्यवाद दें।